



भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान
जी.टी. रोड, रावतपुर, कानपुर – 208 002
(उत्तर प्रदेश)

An ISO 9001:2015 Certified

(O) : (0512) 2533560, 2554746
Fax : (0512) 2533560, 2554746
Website : <http://atarik.res.in>
E-mail : zpdicarkanpur@gmail.com

दि. 28-01-2021

फार्मर फर्स्ट प्रोजेक्ट की समीक्षा कार्यशाला का आयोजन

दि. 28 जनवरी 2021 को भाकृअनुप-अटारी कानपुर द्वारा फार्मर फर्स्ट प्रोजेक्ट की समीक्षा कार्यशाला का आनलाइन आयोजन किया गया। इसकी जानकारी डा. अतर सिंह, निदेशक भाकृअनुप-अटारी कानपुर ने दी।

कार्यशाला का उद्घाटन डॉ. ए. के. सिंह, उपमहानिदेशक (कृ.प्र.), भाकृअनुप, नई दिल्ली द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि यह परियोजना देश के सभी 52 केंद्रों में चल रही है। डॉ. अय्यप्पन ने कहा था कि यह परियोजना देश के सभी भाकृअनुप केंद्रों में चलाई जानी है, और यह परियोजना किसानों के लाभ के लिए है, इस परियोजना के तहत किसानों के क्षेत्र में सभी प्रकार की तकनीकों और नए नवाचारों का प्रदर्शन किया जाना चाहिए और अन्य किसान भी इसमें शामिल हो सकते हैं। यह परियोजना उत्तर प्रदेश के 7 भाकृअनुप संस्थानों में चल रही है जहां किसानों की आय दोगुनी करने के साथ ही संस्थानों की तकनीकी का प्रदर्शन किया जा रहा है। इसका किसानों को लाभ मिल रहा है। इस परियोजना को एक सीमित स्थान पर नहीं चलाया जाना चाहिए, आसपास के गांवों के किसानों को भी लाभ देखकर होना चाहिए। प्रौद्योगिकी को किसानों के प्रक्षेत्र में प्रदर्शित करने की आवश्यकता है। एक नया ऊष्मायन केंद्र कैसे खोलें या उस पर काम करने की रणनीति की योजना बनाएं। सोशल मीडिया पर नई तकनीक की गतिविधि को पोस्ट करें। मुर्गा और आम के बाग दोनों का बेंचमार्क क्या है, इसे अलग-अलग तरीके से दिखाएं। परियोजना से जुड़े किसानों द्वारा किए गए नए नवाचारों को आगे लायें ताकि किसानों द्वारा किए गए नवाचारों की जानकारी अन्य किसानों तक पहुंच सके। आपके पास इस परियोजना में शामिल सभी किसानों के डेटा से संबंधित सभी आंकड़े होने चाहिए, जैसे कि सामाजिक आर्थिक, आय, आदि। इस परियोजना की 20 तकनीक का एक पत्र या लेख बनाया जाये। जिसका संक्षिप्त विवरण किसानों को रेखीय विभागों व नीति बनाने वालों को अच्छी तरह से समझाया जाये। यह परियोजना अगले पांच वर्षों के लिए चलनी है और कुछ नए केंद्रों को लेना है, जो केंद्र अच्छी तरह से कार्य कर रहे हैं या परियोजना में अच्छा काम नहीं कर रहे हैं भाकृअनुप अटारी कानपुर को उनकी मॉनिटरिंग करनी है।

कार्यशाला में स्वागत अभिभाषण डा. शान्तनु कुमार दबे (प्रधान वैज्ञानिक) द्वारा दिया गया। मुख्य अतिथि डा. ए.के. सिंह, उपमहानिदेशक, भाकृअनुप नई दिल्ली, डा. ओमप्रकाश सिंह, श्री चन्द्र शेखर सिंह और श्री सेठपाल सिंह उपस्थित रहे। फार्मर फर्स्ट प्रोजेक्ट से जुड़े 7 संस्थानों ने कार्यशाला में प्रस्तुतीकरण किया डा. अतर सिंह निदेशक भाकृअनुप-अटारी कानपुर द्वारा कार्यक्रम की अध्यक्षता की गई। अंत में डा. राघवेंद्र सिंह (प्रधान वैज्ञानिक) ने सभी का आभार व्यक्त किया।



**ICAR-AGRICULTURAL TECHNOLOGY
APPLICATION RESEARCH INSTITUTE**
G.T. Road, Rawatpur, (Near Vikas Bhawan)
Kanpur – 208 002

☎(O) : (0512) 2533560
Fax : (0512) 2533560
Web site : <http://atarik.res.in>
E-mail : zpdicarkanpur@gmail.com

(AN ISO 9001:2015 CERTIFIED ORGANIZATION)

Dated: 28.01.2021

Online Annual Review Workshop of Farmers First Project at ICAR-ATARI, Kanpur

On January 28, 2021, a review workshop of the Farmer First Project was organized online by ICAR-ATARI Kanpur. Dr. Atar Singh, Director ICAR-ATARI Kanpur gave this information.

The workshop was inaugurated by Dr. A. K. Singh, Deputy Director General (AE), ICAR New Delhi. He said that this project is going at 52 centers of the country. Dr. Ayyappan had said that this project is to be run in all ICAR centers of the country, and this project is for the benefit of farmers, under this project all kinds of technologies and new innovations in the field of farmers should be demonstrated and other farmers can also join it. This project is going on in 7 ICAR institutes in Uttar Pradesh where the technology of the institutes is being demonstrated while doubling the income of farmers. The farmers are benefiting from this. This project should not be run in a confined space, farmers of the surrounding villages should also see the benefits. Technology needs to be displayed in the domain of farmers. How to open a new incubation center or plan a strategy to work on it. Post new technology activity on social media. What is the benchmark of both poultry and mango orchards, these needs to be shown separately. Bring forward new innovations made by the farmers associated with the project so that information about the innovations made by the farmers can reach to other farmers. You should have all the data related to all the farmers involved in this project, such as socioeconomic analysis etc. A document of 20 techniques of this project should be prepared. The brief description of which should be explained well to the line departments and policy makers and to the farmers. The project is to run for the next five years and some new centers, which are not functioning well or not doing as per targeted activities in the project, have to be monitored by ICAR-ATARI Kanpur and such centers should be closed.

The welcome address was given by Dr. Shantanu Kumar Dubey (Principal Scientist) to the Chief Guest Dr. A.K. Singh-DDG ICAR New Delhi, Dr. Omprakash Singh, Mr. Chandra Shekhar Singh and Mr. Sethpal Singh and other scientists were present. 7 institutions associated with the Farmer First Project made presentations. Dr. Atar Singh Director ICAR-ATARI Kanpur presided over the program. In the end, Dr. Raghawendra Singh (Principal Scientist) proposed of thanks to everyone.

